

उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्  
राष्ट्रीयशिक्षानीत्यनुगुणं (NEP-2020) चतुर्वर्षीयस्नातककक्षापाठ्यक्रमे  
स्वशास्त्र-सम्बद्ध-वैकल्पिक-पाठ्यक्रमः (DSE)  
विषयः – वैदिकदर्शनम् (आर्षपाठ्यक्रमः)

पूर्णाङ्काः – 100

सैद्धान्तिकम् – 75

आन्तरिकमूल्यांकनम् – 25

प्रथमसत्रम्

| पत्रसंख्या<br>DSE-1 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>योगदर्शनम् (प्रथमपादः)         | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|---------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                       | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | दर्शनानां सामान्यपरिचयः                           | 15              |                               |
| 2.                  | योगदर्शनस्य प्रथमपादस्य सूत्रव्याख्या (1-30)      | 15              |                               |
| 3.                  | योगदर्शनस्य प्रथमपादस्य सूत्रव्याख्या (31-51)     | 15              |                               |
| 4.                  | प्रथमपादस्य व्यासभाष्यस्य सन्दर्भविशेषस्यानुवादाः | 15              |                               |
| 5.                  | योगदर्शनस्य प्रथमपादस्य सूत्राणां मूलपाठः         | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्         | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः –

- 1- योगदर्शनम्, प्रकाशकः- आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टः, नया बांस, दिल्ली-6
- 2- योगदर्शनम्, प्रकाशकः - चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी

आन्तरिकमूल्याङ्कनस्य अङ्काः –

1. आन्तरिकमूल्यांकनम्/प्रदत्तनियतकार्यम् – अङ्काः 10
2. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी/शास्त्रपरिचर्चा – अङ्काः 5
3. शिक्षणस्रोतसामग्र्याः चयनं प्रबन्धश्च – अङ्काः 5
4. उपस्थितिः 75% = 1 अङ्कः, 76% - 80% = 2 अङ्कौ, 81% - 85% = 3 अङ्काः,  
86% - 90% = 4 अङ्काः, 91% तः अधिकम् = 5 अङ्काः।



| पत्रसंख्या<br>DSE-2 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>योगदर्शनम् (द्वितीयपादः), सांख्यदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 1-82     | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|-------------------------------------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                                                         | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | योगदर्शनस्य द्वितीयपादस्य सूत्रव्याख्या (01-30)                                     | 15              |                               |
| 2.                  | योगदर्शनस्य द्वितीयपादस्य सूत्रव्याख्या (31-55)                                     | 15              |                               |
| 3.                  | द्वितीयपादस्य व्यासभाष्यस्य सन्दर्भविशेषस्यानुवादाः                                 | 15              |                               |
| 4.                  | सांख्यदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 1-82 सूत्राणि यावत् सूत्रव्याख्या                     | 15              |                               |
| 5.                  | सन्दर्भविशेषानुवादः प्रथमाध्यायस्य 1-82 सूत्राणि यावत्<br>(ब्रह्ममुनिभाष्यानुसारम्) | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्                                           | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः –

- 1- योगदर्शनम्, प्रकाशकः- आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टः, नया बांस, दिल्ली-6
- 2- सांख्यदर्शनम्, (ब्रह्ममुनिभाष्यम्) प्रकाशकः- हरयाणा-साहित्य-संस्थानम्, गुरुकुलझज्जर (हरयाणा)
- 3- एकादशोपनिषद् प्रकाशकः- विजयकुमार गोविन्दराम हसानन्दः, नई सड़क, दिल्ली
- 3- उपनिषत्समुच्चयः, प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर

| पत्रसंख्या<br>DSE-3 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>सांख्यदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 83-164,<br>स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाशः  | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                                                            | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | सांख्यदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 83-123 सूत्राणि यावत्<br>सूत्रव्याख्या                   | 15              |                               |
| 2.                  | सन्दर्भविशेषानुवादः प्रथमाध्यायस्य 83-123 सूत्राणि यावत्<br>(ब्रह्ममुनिभाष्यानुसारम्)  | 15              |                               |
| 3.                  | सांख्यदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 124-164 सूत्राणि यावत्<br>सूत्रव्याख्या                  | 15              |                               |
| 4.                  | सन्दर्भविशेषानुवादः प्रथमाध्यायस्य 124-164 सूत्राणि यावत्<br>(ब्रह्ममुनिभाष्यानुसारम्) | 15              |                               |
| 5.                  | स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाशः                                                              | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्                                              | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः –

- 1- सांख्यदर्शनम्, (ब्रह्ममुनिभाष्यम्) प्रकाशकः- हरयाणा-साहित्य-संस्थानम्, गुरुकुलझज्जर (हरयाणा)
- 2- स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाशः प्रकाशकः- वैदिकयन्त्रालयः, अजमेरः

| पत्रसंख्या<br>DSE-4 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>वैशेषिकदर्शनम् (प्रथमाध्यायस्यप्रथमाह्निकम्) 1-31              | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                                                       | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | वैशेषिकदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 1-16 सूत्राणि यावत्<br>सूत्रव्याख्या               | 15              |                               |
| 2.                  | ब्रह्ममुनिभाष्यस्य सन्दर्भविशेषस्यानुवादः प्रथमाध्यायस्य 1-16<br>सूत्राणि यावत्   | 15              |                               |
| 3.                  | वैशेषिकदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 17-31 सूत्राणि यावत्<br>सूत्रव्याख्या              | 15              |                               |
| 4.                  | ब्रह्ममुनिभाष्यस्य सन्दर्भविशेषस्यानुवादः प्रथमाध्यायस्य 17-<br>31 सूत्राणि यावत् | 15              |                               |
| 5.                  | वैशेषिकदर्शनस्य प्रथमोऽध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य सूत्राणां<br>मूलपाठः               | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्                                         | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः -

1- वैशेषिकदर्शनम्, (ब्रह्ममुनिभाष्यम्) प्रकाशकः - हरयाणासाहित्यसंस्थानम्, गुरुकुल झज्जर

2- वैशेषिकदर्शनम्, प्रकाशकः-आर्षशोधसंस्थानम्, कन्यागुरुकुलम् अलीयाबाद

| पत्रसंख्या<br>DSE-5 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>न्यायदर्शनम् (प्रमेयान्तपर्यन्तम्)                                            | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                                                                      | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | न्यायदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 1-8 सूत्राणि (प्रमाणान्तम्)<br>सूत्रव्याख्या                        | 15              |                               |
| 2.                  | वात्स्यायनभाष्यस्य सन्दर्भविशेषस्य अनुवादः प्रथमाध्यायस्य<br>1-8 सूत्राणि (प्रमाणान्तपर्यन्तम्)  | 15              |                               |
| 3.                  | न्यायदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 9-22 सूत्राणि (प्रमेयान्तम्)<br>सूत्रव्याख्या                       | 15              |                               |
| 4.                  | वात्स्यायनभाष्यस्य सन्दर्भविशेषस्य अनुवादः प्रथमाध्यायस्य<br>9-22 सूत्राणि (प्रमेयान्तपर्यन्तम्) | 15              |                               |
| 5.                  | न्यायदर्शनस्य प्रथमाध्यायस्य 1-22 सूत्राणां मूलपाठः                                              | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                        | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः -

1- न्यायदर्शनम्, प्रकाशकः- चौखम्बासंस्कृतभवनम्, वाराणसी

| पत्रसंख्या<br>DSE-6 | पाठ्यग्रन्थाः-<br>सत्यार्थप्रकाशस्य प्रथमसमुल्लासः, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका        | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|---------------------------------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                                                     | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | सत्यार्थप्रकाशस्य प्रथमसमुल्लासः                                                | 15              |                               |
| 2.                  | सृष्टिविद्याविषयः, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानुसारम्                                  | 15              |                               |
| 3.                  | ईश्वरस्तुतिप्रार्थनायाचनासमर्पणोपासनाविद्याविषयः<br>ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानुसारम् | 15              |                               |
| 4.                  | उपासनाविषयः ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानुसारम्                                         | 15              |                               |
| 5.                  | ब्रह्मविद्याविषयः ऋग्वेदादिभाष्यभूमिकानुसारम्                                   | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्                                       | 25              |                               |

**सन्दर्भग्रन्थः -**

- 1- सत्यार्थप्रकाशः, प्रकाशकः- आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टः, नया बांस, दिल्ली-6
- 2- ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, प्रकाशकः- आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टः, नया बांस, दिल्ली-6

| पत्रसंख्या<br>DSE-7 | पाठ्यग्रन्थाः-<br>केनोपनिषद्                                             | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|--------------------------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                                              | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | केनोपनिषद्: गद्यपद्ययोः व्याख्या, परिचयः सारश्च<br>(प्रथमद्वितीयखण्डयोः) | 15              |                               |
| 2.                  | केनोपनिषद्: गद्यपद्ययोः व्याख्या, परिचयः सारश्च<br>(तृतीयचतुर्थखण्डयोः)  | 15              |                               |
| 3.                  | केनोपनिषद्: गद्यपद्ययोः व्याख्या, परिचयः सारश्च<br>(चतुर्थखण्डस्य)       | 15              |                               |
| 4.                  | केनोपनिषद्: परिचयः सारश्च                                                | 15              |                               |
| 5.                  | उपनिषदां परिचयः                                                          | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्                                | 25              |                               |

**सन्दर्भग्रन्थः -**

- 1- एकादशोपनिषद्, प्रकाशकः- विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्दः, नई सड़क, दिल्ली
- 2- उपनिषत्समुच्चयः, प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर

| पत्रसंख्या<br>DSE-8 | पाठ्यग्रन्थाः-<br>प्रश्नोपनिषद्                         | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|---------------------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                             | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | प्रश्नोपनिषदः गद्यपद्ययोः व्याख्या (प्रथमप्रश्नस्य)     | 15              |                               |
| 2.                  | प्रश्नोपनिषदः गद्यपद्ययोः व्याख्या (द्वितीयप्रश्नस्य)   | 15              |                               |
| 3.                  | प्रश्नोपनिषदः गद्यपद्ययोः व्याख्या (तृतीयप्रश्नस्य)     | 15              |                               |
| 4.                  | प्रश्नोपनिषदः गद्यपद्ययोः व्याख्या (चतुर्थप्रश्नस्य)    | 15              |                               |
| 5.                  | प्रश्नोपनिषदः गद्यपद्ययोः व्याख्या (पंचम—षष्ठप्रश्नस्य) | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्               | 25              |                               |

**सन्दर्भग्रन्थः –**

- 1- एकादशोपनिषद्, प्रकाशकः- विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्दः, नई सड़क, दिल्ली
- 2- उपनिषत्समुच्चयः, प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर

| पत्रसंख्या<br>DSE-9 | पाठ्यग्रन्थाः-<br>सत्यार्थप्रकाशः, षड्दर्शनम् | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|-----------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                   | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | सत्यार्थप्रकाशस्य द्वितीयसमुल्लासः            | 15              |                               |
| 2.                  | सत्यार्थप्रकाशस्य सप्तमसमुल्लासः              | 15              |                               |
| 3.                  | भारतीयदर्शनानां तत्त्वमीमांसा                 | 15              |                               |
| 4.                  | भारतीयदर्शनानां प्रमाणमीमांसा                 | 15              |                               |
| 5.                  | भारतीयदर्शनानां आचारमीमांसा                   | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्     | 25              |                               |

**सन्दर्भग्रन्थः –**

- 1- सत्यार्थप्रकाशः, प्रकाशकः- आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टः, नया बांस, दिल्ली-6
- 2- ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, प्रकाशकः- आर्षसाहित्यप्रचारट्रस्टः, नया बांस, दिल्ली-6
- 3- षड्दर्शनम्, चौखम्बा प्रकाशनम्, वाराणसी



| पत्रसंख्या<br>DSE-9 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>मीमांसादर्शनम्            | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|---------------------|----------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)  | पाठ्यविषयाः                                  | अङ्काः          |                               |
| 1.                  | मीमांसादर्शनस्य 1.1.1—10 सूत्राणां व्याख्या  | 15              |                               |
| 2.                  | मीमांसादर्शनस्य 1.1.11—20 सूत्राणां व्याख्या | 15              |                               |
| 3.                  | मीमांसादर्शनस्य 1.1.21—30 सूत्राणां व्याख्या | 15              |                               |
| 4.                  | मीमांसादर्शनस्य 1.1.1—15 सूत्राणां मूलपाठः   | 15              |                               |
| 5.                  | मीमांसादर्शनस्य 1.1.16—30 सूत्राणां मूलपाठः  | 15              |                               |
| 6.                  | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्    | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः —

- 1- मीमांसादर्शनम्, सम्पादनम् — आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशकः- विजयकुमार गोविन्दराम हसनन्दः, नई सड़क, दिल्ली

| पत्रसंख्या<br>DSE-10 | पाठ्यग्रन्थाः:-<br>वेदान्तदर्शनम्            | अङ्काः<br>75+25 | अर्जिताङ्कः<br>(क्रेडिट)<br>4 |
|----------------------|----------------------------------------------|-----------------|-------------------------------|
| भागक्रमः<br>(इकाई)   | पाठ्यविषयाः                                  | अङ्काः          |                               |
| 1.                   | वेदान्तदर्शनस्य 1.1.1—10 सूत्राणां व्याख्या  | 15              |                               |
| 2.                   | वेदान्तदर्शनस्य 1.1.11—20 सूत्राणां व्याख्या | 15              |                               |
| 3.                   | वेदान्तदर्शनस्य 1.1.21—31 सूत्राणां व्याख्या | 15              |                               |
| 4.                   | वेदान्तदर्शनस्य 1.1.1—20 सूत्राणां मूलपाठः   | 15              |                               |
| 5.                   | वेदान्तदर्शनस्य 1.1.21—31 सूत्राणां मूलपाठः  | 15              |                               |
| 6.                   | अनुशिक्षणम् (Tutorial) आन्तरिकमूल्यांकनम्    | 25              |                               |

सन्दर्भग्रन्थः —

- 1- वेदान्तदर्शनम्, सम्पादनम् — आचार्य उदयवीर शास्त्री, प्रकाशकः- विजयकुमार गोविन्दराम हसनन्दः, नई सड़क, दिल्ली

